

8/10/24

फावली पेश हुई। वहीं ल
पुकी अथवा पाकीगण से
ओर से कोई आखिर भी
है। बार-बार आवाज -
लगावई गई। बावजूद आवाज
के भी कोई आखिर नहीं
आया है। अतः पाकीगण का
प्रकृत्य पर अहम पै रवी अकम
हाजरी में शरीज किध -
जाता है। फावली टैसा ल
शुमार होकर नखर से कर
है। काखिन करार हो।



सहायक कलक्टर
मालदीव जमा-दीसा (राज)

